सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 230 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 11 दिसम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

मेरे भूत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक आम कारक है- रिश्ते और विश्वास। यही हमारे विकास की नींव हैं।

-धीरूभाई अंबानी

आखिरी टी-20 में भारतीय महिलाओं... 7 | महुआ के निष्कासन का बंगाल में... 3 | चंदे से जनमत को किया जा रहा... 2

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का 'सुप्रीम' आदेश

चुनाव आयोग को निर्देश- सितंबर 2024 तक कराएं चुनाव

» धारा-370 पर सुप्रीम कोर्ट ने दिया अहम फैसला, विशेष दर्जे की समाप्ति को सही ठहराया

» भाजपा ने फैसले का किया स्वागत, विपक्ष ने दी सधी हुई प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य की दर्जा बहाली करने के साथ तुरंत चुनाव करवाने का आदेश दिया है। हालांकि शीर्ष अदालत ने अनुच्छेद 370 को खत्म करने से इंकार कर दिया है। इस फैसले का जहां भाजपा ने स्वागत किया है वहीं विपक्ष की तरफ सधी हुई प्रतिक्रिया मिली है। सोमवार को चुनाव आयोग (ईसी) को 30 सितंबर, 2024 तक जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 370 को खत्म करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया, जिसने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा दिया था।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने फैसला सुनाया और कहा कि प्रत्यक्ष चुनाव लोकतंत्र की सर्वोपरि विशेषताओं में से एक है और इसे रोका नहीं जा सकता। पीठ ने कहा कि हम निर्देश देते हैं कि 30 सितंबर, 2024 तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने के लिए कदम उठाए जाएं और जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। जम्मू-कश्मीर में आखिरी विधानसभा चुनाव 2014 में हुए थे। पीपुल्स डेमोक्रटिक पार्टी गठबंधन से बाहर हो गई और विधानसभा भंग हो गई। इसके बाद राज्यपाल शासन लागू हो गया। 5 अगस्त, 2019 को, केंद्र ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया और तत्कालीन राज्य को जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) में विभाजित कर दिया गया। अनुच्छेद 370 हटने के बाद इस क्षेत्र में स्थानीय चुनाव भी हुए हैं, जिसमें 2020 जिला विकास परिषद चुनाव और इस साल की शुरुआत में हुए लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद (एलएएचडीसी)-कारगिल चुनाव भी शामिल हैं।

अस्थायी प्रावधान था संविधान का अनुच्छेद 370 : चंद्रचूड़

इस दौरान अपने फैसले में पीठ की अध्यक्षता कर रहे देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि देश के सभी राज्यों के पास विधायी और कार्यकारी शक्तियां हैं। संविधान का अनुच्छेद 370 अलग-अलग राज्यों को विशेष दर्जा देने का उदाहरण है। यह साफ तौर पर असममित संघवाद का उदाहरण है। जम्मू कश्मीर की भी अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तरह कोई आंतरिक संप्रभुता नहीं है। सीजेआई ने कहा कि हमारा मानना है कि अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था। हस्तांतरण के उद्देश्य से इसे लागू किया गया था। राज्य विधानसभा के गठन के लिए इसे अंतरिम तौर पर लागू किया गया था। सीजेआई ने कहा कि राज्य में युद्ध के हालात के चलते विशेष परिस्थितियों में इसे लागू किया गया था। इसके लिए संविधान में प्रावधान किए गए हैं। राष्ट्रपति के आदेश की संवैधानिकता पर सीजेआई ने कहा कि फैसले के वक्त राज्य की विधानसभा भंग थी, ऐसे में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का नोटिफिकेशन जारी करना राष्ट्रपति की शक्तियों के तहत आता है। चीफ जस्टिस ने कहा कि संविधान में कहीं इसका उल्लेख नहीं है कि जम्मू कश्मीर की कोई आंतरिक संप्रभुता है। युवराज कर्ण सिंह की साल 1949 में की गई उद्घोषणा और संविधान से इसकी पुष्टि होती है। संविधान के अनुच्छेद 1 के तहत ही जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा बन गया था।

लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बना रहेगा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा जितने जल्दी हो सके दिया जाए और वहां पर चुनाव कराए जाए. जम्मू-कश्मीर में 30 सितंबर 2024 तक चुनाव हों. जल्द से जल्द स्टेटहुड वापस किया जाए। लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) बनाने का फैसला सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त किए जाने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 16 दिन तक सुनवाई करने के बाद पांच सितंबर को मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखा था।

निराश हूं, लेकिन लंबी लड़ाई के लिए तैयार: उमर अब्दुल्ला

उच्चतम न्यायालय के इस फैसले के बाद सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के सीनियर लीडर उमर अब्दुल्ला ने निराशा जाहिर की है। उन्होंने कहा है, निराश हूं, लेकिन हतोत्साहित नहीं, संघर्ष जारी रहेगा। यहां तक पहुंचने में बीजेपी को दशकों लग गए। हम भी लंबी दौड़ के लिए भी तैयार हैं।

यह कानूनी फैसला नहीं बल्कि आशा की किरण : मोदी

अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पीएम मोदी ने खुशी जाहिर की है। पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि अनुच्छेद 370 हटाने पर सुप्रीम कोर्ट का आज का फैसला ऐतिहासिक है। जिसमें भारतीय संसद द्वारा 5 अगस्त 2019 को लिए गए फैसले की संवैधानिकता बरकरार रखी गई है।

नजरबंदी को लेकर महबूबा व एलजी में तकरार

(पीडीपी ने दावा किया है कि उसकी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को उच्चतम न्यायालय के फैसले से पहले सोमवार को नजरबंद कर दिया गया है, जिसके बाद सिन्हा का यह बयान सामने आया। उपराज्यपाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, "यह पूरी तरह से निराधार है। पूरे जम्मू-कश्मीर में किसी को भी नजरबंद या गिरफ्तार नहीं किया गया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त किए जाने को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले से पहले किसी की नजरबंदी या गिरफ्तारी की कोई भी खबर "पूरी तरह से बेबुनियाद" है।

जल्द से जल्द हो चुनाव : उद्धव ठाकरे

हम इस फैसले का स्वागत करते हैं। धारा 370 खत्म करने के समय हमने इसका समर्थन किया था। उम्मीद करते हैं कि सुप्रीम कोर्ट का जो दूसरा आदेश है कि अगले सितंबर तक वहां चुनाव होने चाहिए, वह जल्द से जल्द हो जाएगा। वहां की जनता है उनको खुली हवा में मतदान करने का अवसर मिलेगा।

एक मुश्किल पड़ाव है, यह मंजिल नहीं : महबूबा

जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को निरस्त करने को सुप्रीम कोर्ट द्वारा वैध ठहराए जाने पर पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा, हिम्मत नहीं हारे, उम्मीद न छोड़े, जम्मू-कश्मीर ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। सुप्रीम कोर्ट का आज का फैसला यह एक मुश्किल पड़ाव है, यह मंजिल नहीं है... हमारे विरोधी चाहते हैं कि हम उम्मीद छोड़कर इस शिकस्त को स्वीकार करें... यह हमारी हार नहीं यह देश के धैर्य की हार है।

पूर्ण राज्य का दर्जा भी बहाल हो : अधीर

सुप्रीम कोर्ट में संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने वाले राष्ट्रपति के आदेश की वैधता को बरकरार रखने पर कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने, केंद्र को जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराना चाहिए और पूर्ण राज्य का दर्जा भी बहाल करना चाहिए।

फैसले से जम्मू-कश्मीर के लोगों को अफसोस : आजाद

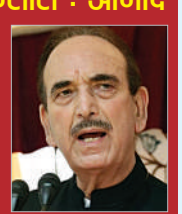

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आज़ाद ने कहा, एक उम्मीद थी क्योंकि कई चीज़ों में हमने कहा था कि जो कोर्ट कहेगा वह आखिरी फैसला होगा, मैं बुनियादी तौर पर कहता हूं कि इसे खत्म करना ग़लत था। इसे करते वक्त जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक पार्टियों से पूछा नहीं गया... हम अदालत के खिलाफ नहीं जा सकते लेकिन इस फैसले से हम, जम्मू-कश्मीर के लोगों को अफसोस है।

चंदे से जनमत को किया जा रहा प्रभावित : बसपा सुप्रीमो

» मायावती बोलीं- अब नहीं चलेगा वोट हमारा राज तुम्हारा वाला पैटर्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भाजपा समेत विपक्ष पर हमला करते हुए कहा है कि आज विरोधी पार्टियों द्वारा जनहित, देशहित की नीति व सिद्धांत के बजाए धनबल, लुभावने वादों व छलावे वाले दावों की राजनीति की जा रही है। इस फाउल प्ले का सामना करने के लिए 'डबल मेहनत' से संगठन मजबूत करना है, ताकि 'वोट हमारा, राज तुम्हारा' की शोषणकारी व्यवस्था से सर्वसमाज को मुक्ति मिल सके।

प्रदेश मुख्यालय में आयोजित ऑल इंडिया बैठक में मौजूद पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए बसपा सुप्रीमो ने कहा कि विरोधी पार्टियां हजारों करोड़ रुपये के चंदे के बल पर शाही चुनाव लड़कर जनमत प्रभावित करती हैं। वहीं बसपा केवल अपने लोगों के खून-पसीने की कमाई पर ही आश्रित है। उन्हीं के तन, मन, धन के बल पर चुनाव लड़ती है। लोगों को बताना जरूरी है कि चुनावी स्वार्थ से अलग हटकर उनका असली हितैषी कौन है? चार राज्यों के हालिया विधानसभा चुनाव में विरोधी पार्टियों ने चुनाव आचार संहिता की धज्जियां उड़ा दी। लोगों को सावधान करना जरूरी है कि लुभावने वादों, छद्म दावों व चतुर नारों से उनका जीवन सुधरने वाला नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या चुनावी चर्चा व मीडिया की हेडलाइन में बिना रोक-टोक बने रहने का विरोधी पार्टियों का प्रयास देश में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए उचित है? उसी का नतीजा है कि सरकार विरोधी लहर के बावजूद चुनाव परिणाम लोगों के अपेक्षा के मुताबिक नहीं होते हैं। आगे लोकसभा चुनाव में भी माहौल को जातिवादी और सांप्रदायिक बनाने का प्रयास किया जायेगा ताकि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी व पिछड़ेपन आदि से लोगों का ध्यान बांटा जा सके।

सस्ती लोकप्रियता वाले काम नहीं किए

मायावती ने कहा कि बसपा सरकार में बेरोजगारी भत्ता अथवा पांच किलो सरकारी अनाज आदि देने जैसे सस्ती लोकप्रियता वाले कार्य नहीं किये गये, बल्कि लोगों को इज्जत से जीने के लिए लाखों की संख्या में सरकारी व गैर सरकारी स्थायी रोजगार मुहैया कराने का रिकार्ड कायम किया गया। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर पलायन भी रोका गया, जिसमें यूपी की अब तक की सरकारें विफल रही हैं।

भतीजे को बनाया उत्तराधिकारी

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को विरासत सौंपने का निर्णय लेने के दौरान पार्टी पदाधिकारियों को सख्त संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि मैंने जब भी किसी को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी, वह खुद को मेरा उत्तराधिकारी समझने लगा। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ वह इसी तरह पेश आता था। इसी वजह से उपजे कंफ्यूजन को खत्म करने के लिए मैंने आकाश आनंद को उत्तराधिकारी बनाया है। भाजपा में गए अधिकतर नेता अपने साथ उन बसपा नेताओं को भी ले गए, जो कभी सपा को धूल चटाने का काम करते थे। इससे यूपी के साथ पड़ोसी राज्यों में अपनी अलग पहचान बनाने और विधानसभा चुनाव में कई सीटें जीतने वाली बसपा का जनाधार कम होता चला गया। यूपी में चार बार सरकार बनाने वाली बसपा को वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में महज एक सीट से ही संतोष करना पड़ा। तमाम नेताओं के दूसरे दलों में जाने से पार्टी के वोट बैंक पर भी असर पड़ा और कभी 28 प्रतिशत से ज्यादा वोट हासिल करने वाली बसपा यूपी में करीब 12 प्रतिशत पर ही सिमट गयी। उसका राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा भी खतरे में पड़ गया।

संक्षिप्त खबरें

जेब नहीं, दिमाग को सशक्त बनाने की जरूरत : उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि समाज में जिस तथाकथित मुफ्त उपहार की अंधी दौड़ देखने को मिल रही है, उसकी राजनीति खर्च करने संबंधी प्राथमिकताओं को बिगाड़ देती है। उन्होंने इस बार पर जोर दिया कि जरूरत जेबों को नहीं, बल्कि मानव मस्तिष्क को सशक्त करने की है। उपराष्ट्रपति ने मानवाधिकार दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) द्वारा भारत मंडपम में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया का कोई भी हिस्सा हमारे देश की तरह मानवाधिकारों से इतना समृद्ध नहीं है। इस अवसर पर मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा की 75वीं वर्षगांठ भी मनाई गई। भारत में संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय समन्वयक शोम्बी शार्प भी मंच पर उपस्थित थे। शार्प ने अपने संबोधन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस का संदेश पढ़ा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धनखड़ ने कहा कि एक संयोग है कि यह (मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा की 75वीं वर्षगांठ) हमारे अमृत काल के बाद आई है और हमारा अमृत काल मुख्यतः मानवाधिकारों और मूल्यों के फलने-फूलने के कारण हमारा गौरव काल बन गया है।

कांग्रेस ने लगाया बांग्लादेशी टैग : बदरुद्दीन

नई दिल्ली। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के कारण राज्य में जनता की समस्याओं के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। असम के धुबरी निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि कांग्रेस के कारण राज्य में कई लोगों को बांग्लादेशी करार दिया जा रहा है। पार्टी की बैठक में उन्होंने कहा, हम बांग्लादेशी नहीं हैं। कांग्रेस ने ही हमारे माथे पर बांग्लादेशी टैग लगाया। कांग्रेस ने यहां डिटेंशन कैंप बनाया। उसने एनआरसी की समस्या पैदा की।

एनआरसी सूची में शामिल फर्जी नामों को हटाया जाएगा : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को कहा कि सरकार राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) की सूची से ऐसे लोगों के नाम हटाने की तैयारी कर रही है, जिन्होंने जालसाजी कर इस सूची में अपना नाम दर्ज कराया था। सरमा ने कहा कि इसके लिए हमने विशेषज्ञों से बातचीत शुरू कर दी है। असम के मुख्यमंत्री ने यह बयान उस समय दिया, जब आरोप लगाया जा रहा है कि फर्जीवाड़ा कर बड़ी संख्या में एनआरसी सूची में लोगों के नाम दर्ज किए गए हैं। असम के मुख्यमंत्री रविवार को गुवाहाटी के पश्चिम बोरागांव में शहीद दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। असम में 10 दिसंबर को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।

रालोद पूरब में भी फैलाएगी पांव

» जनवरी में होगा गोरखपुर-बनारस सम्मेलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने भी लोकसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में मजबूत सियासत कर रही पार्टी ने अब पूरब में भी हर बूथ तक पहुंचने की कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज आदि जिलों में भी जनवरी-फरवरी में पार्टी के सम्मेलन व बैठकों का आयोजन करेगी। साथ ही लोकसभा की सीटों को भी तीन श्रेणी में बांटकर तैयारी शुरू की जाएगी।

रालोद ने पिछला लोकसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ा था। इस बार भी वह इंडिया (आईएनडीआईए) गठबंधन में शामिल है। पार्टी प्रदेश में पश्चिम के साथ पूरब में अपना जनाधार बढ़ाने के लिए नए सिरे से तैयारी में जुटी है। शनिवार को हुई प्रदेश कार्य समिति की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने भी इसका संदेश दिया। उन्होंने पार्टी को पूरब से पश्चिम तक हर क्षेत्र में बूथ स्तर पर ले जाने का आह्वान किया। तय हुआ है कि पार्टी सभी मंडलों में सम्मेलन करेगी व बूथ स्तर तक संगठन खड़ा करेगी। पार्टी लोकसभा क्षेत्रों को ए, बी व सी में बांटकर काम करेगी। इसमें ए में 15 से 20 सीटें, जहां वह अपने को मजबूत मानती है। बी में 20 सीट जहां वह मध्यम स्थिति में है और सी में 20 वह सीटें जहां उसे काफी काम करने है, में रखा है।

मैं मैदान छोड़कर नहीं भागूंगी : महुआ

» संसद से निष्कासन के बाद जनता के बीच पहुंची सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। संसद से निष्कासन के बाद महुआ मोइत्रा जनता के दरबार में पहुंचीं। दरअसल, महुआ मोइत्रा ने रविवार को अपनी लोकसभा के लोगों के लिए एक वीडियो संदेश जारी किया। इस वीडियो संदेश में महुआ मोइत्रा ने जनता, टीएमसी कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं के प्रति आभार जताया कि उन्होंने इस लड़ाई में उनका साथ दिया। वीडियो संदेश को महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।

इस संदेश में महुआ ने कहा कि मैं आपकी बेटी हूं...इस धरती की बेटी हूं। मैं तब तक आपके साथ रहूंगी, जब तक आप चाहते हैं। हम इस लड़ाई को जीतेंगे और मैं मैदान छोड़कर नहीं भागूंगी और आपके साथ रहूंगी। मैं कृष्णानगर के सभी निवासियों, टीएमसी कार्यकर्ताओं और ब्लॉक अध्यक्ष की आभारी हूं कि उन्होंने मेरे समर्थन में दो दिनों तक विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही मैं उनकी आभारी हूं जिन्होंने मुझे संदेश भेजकर मेरा समर्थन किया। वहीं भाजपा नेता की टिप्पणी पर टीएमसी ने कहा कि उनकी निंदनीय टिप्पणियां उनकी पिछड़ी और पुरातन मानसिकता का स्पष्ट प्रतिबिंब हैं।

बोलीं- हम इस लड़ाई को जीतेंगे

लोकसभा चुनाव की तैयारियां की शुरू

बता दें कि पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोप में टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा को बीते शुक्रवार को संसद की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया था। फिलहाल आगे क्या करना है, इस पर महुआ मोइत्रा विचार कर रही हैं। वहीं टीएमसी सुप्रिमो ममता बनर्जी ने साफ कर दिया है कि नादिया जिले की कृष्णानगर लोकसभा सीट से महुआ मोइत्रा ही उनकी पार्टी की उम्मीदवार होंगी। रविवार को मीडिया से बात करते हुए महुआ मोइत्रा ने कहा कि वह अपने अगले कदम पर विचार कर रही हैं और कुछ तय हो जाने के बाद मीडिया से भी इस पर बात करेंगी।

संविधान की मूल भावना को छेड़ रही बीजेपी

» अखिलेश बोले- जातीय जनगणना से सामाजिक स्तर का पता चलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश यादव ने जातीय जनगणना की वकालत करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर जोरदार हमला बोला और बीजेपी पर आरोप लगाया कि बीजेपी लोगों को उनकी जातियों के आधार पर समानता से वंचित करके संविधान की मूल भावना से खिलवाड़ कर रही है।

फिरोजाबाद के टूंडला में पाल, बघेल और धनगर समाज की मंडलीय महा पंचायत को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा, आज पूरे देश के लोग जातीय जनगणना के पक्ष में आ गए हैं, भाजपा के लोगों ने मंडल आयोग तथा संविधान की मूल भावना से खिलवाड़ करने का काम किया है। यादव ने कहा, सामाजिक न्याय की लड़ाई तभी पूरी होगी जब जातीय जनगणना होगी और लोगों को समानुपातिक हक मिलेगा। यह लड़ाई लंबी है। पिछड़ों और दलितों को उनका हक दिलाना है, सामाजिक न्याय से ही लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, कि हम केवल पाल, बघेल और धनगर समुदाय के हितों के लिए नहीं लड़ेंगे, बल्कि हमें इस संबंध में आपके सहयोग की जरूरत है। ताकि आबादी के हिसाब से लोगों को उनका हक दिलाया जा सके। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुंदेलखंड क्षेत्र में रक्षा उद्योगों के विकास की भाजपा सरकार की घोषणा पर चुटकी लेते हुए कहा, यह बुन्देलखंड के लोग जानते होंगे कि भाजपा ने बड़े सपने दिखाए हैं, दिल्ली वाले आए और उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में मिसाइल बनेगी। आज 10 साल पीछे मुड़कर देखते हैं तो जिन्होंने टैंक, बम बनाने का भरोसा दिलाया था, उन्होंने आज तक सुतली बम भी नहीं बनाया। अखिलेश यादव ने इस दौरान बेरोजगारी और किसानों की कमजोर होती आर्थिक स्थिति को लेकर भी भाजपा को आड़े हाथों लिया।

2024 में भाजपा को हराएंगे : शिवपाल

अमेठी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने जांच एजेंसियों पर बड़ा सवाल खड़ा किया। कांग्रेस नेता के यहां मारे गए छापे में मिली करेंसी के सवाल पर उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के पास इतनी करेंसी है कि उस पर भी ध्यान जाना चाहिए। लेकिन, उन्हें सिर्फ विपक्षी के यहां ही दिखाई देगी। महराजी प्रजापति के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में सपा महासचिव ने कहा कि मिशन-2024 में बीजेपी को हराने के लिए इंडिया गठबंधन मजबूत हो, इसके लिए हमारी पूरी तैयारी है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी मजबूत है। 2024 के चुनाव में उत्तर प्रदेश में सपा भाजपा को हराने के लिए सक्षम है। उन्होंने इंडिया गठबंधन के खींचतान को लेकर कहा कि हमारी व्यक्तिगत राय है कि इंडिया गठबंधन मजबूत हो, इसके लिए सभी नेता एक जुट होकर हराने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि जल्द ही यह सामने आएगा गठबंधन में बहुत से पुराने चेहरे व अनुभवी लोग भी हैं। इसकी चिंता आप सब ना करें, यह गठबंधन तय करेगा। सपा महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि आज अमेठी में जो माहौल देखने को मिल रह है, वह एक बड़े बदलाव का सूचक है। अमेठी में सपा प्रत्याशी के उतारे जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व इस पर विचार करके तय करेगा।

महुआ के निष्कासन का बंगाल में मिलेगा टीएमसी को लाभ

» तीन राज्यों में हार के बाद महुआ का मुद्दा बन सकता सियासी हथियार

» भाजपा , कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने कसे कमर

» महुआ के काम की हो रही चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव के परिणाम आने के बाद से बीजेपी की बढ़त से जहां कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल निराश हो गए थे। पर जैसे ही टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को क्वेश्चन फार क्वेरी मामले में लोक सभा की सदस्यता से निष्काषित कर दिया गया वैसे ही विपक्ष को भाजपा पर हमले का मौका भी मिल गया। साथ ही सियासी गलियारों में यह भी चर्चा जोर पकड़ रहा है कि अगर इंडिया गठबंधन इस मुद्दे को भुना ले गया तो इसका लाभ वह लोकसभा चुनाव में ले सकता है पर वहीं कु छ लोगों का कहना है कि विपक्ष को इसका बहुत ज्यादा लाभ नहीं मिलेगा। पर कुछ राजनीतिक पंडितों का मानना है चूकि मामला तृणमूल के सांसद है तो बंगाल में इस मुद्दे पर सियासम गरमाएगी।

इसी मद्देनजर वहां बीजेपी के स्थानीय नेता टीएमसी के साथ-साथ ममता व महुआ दोनों पर हमलावर हैं। उनको ऐसा लगगा है कि महुआ के ऊपर पैसे लेकर प्रश्न पूछने का मामला गरमाकर वह बंगाल में ममता को बैकफुट पर ला सकते हैं। पर वहीं ममता इसको महिलाओं की अस्मिता से जोड़कर पूरे बंगाल में ही नहीं पूरे देश में भाजपा के खिलाफ माहौल बना सकती हैं। इस सब के बीच ऐसे में इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि महुआ मोइत्रा की निष्कासन ने क्या विपक्षी एकजुटता को फिर से मजबूत कर दिया है? क्या इंडिया गठबंधन को मोदी सरकार को घरने के लिए बड़ा हथियार मिल गया है? पिछले कुछ समय से इंडिया गठबंधन को लेकर लगातार तकरार की खबरें आ रही हैं।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद महुआ मोइत्रा को कैश फॉर क्वेरी मामले में लोकसभा से को निष्कासित कर दिया गया। एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट चर्चा के बाद पारित हुई। हालांकि, महुआ मोइत्रा के निष्कासन को लेकर राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। विपक्षी दलों का दावा है कि महुआ मोइत्रा के साथ नाइंसाफी हुई है। उन्हें सदन में अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया। इसके साथ ही विपक्षी दलों की ओर से दावा किया जा रहा है कि यह लोकतंत्र के साथ विश्वास घात हुआ है। महुआ मोइत्रा के निष्कासन के बाद विपक्षी सांसद एकजुट नजर आए। उन्होंने गांधी प्रतिमा के समक्ष विरोध प्रदर्शन भी किया जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी मौजूद रहे। 6 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की चौथी बैठक कांग्रेस की ओर से दिल्ली में रखी गई थी। लेकिन कई बड़े नेताओं के मना करने के बाद इस संस्थागित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस के रवैये पर आपत्ति जताई है। जिस तरीके से हाल में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने क्षेत्रीय दलों का अपमान किया, उसकी वजह से इंडिया गठबंधन के कुछ नेताओं ने खुलकर कांग्रेस का विरोध किया। यही कारण है कि लगातार इंडिया गठबंधन में खटपट की स्थिति चल रही थी। हालांकि, महुआ मोइत्रा प्रकरण विपक्षी एकता को संजीवनी दी है।

लोकतंत्र के साथ हो रहा विश्वासघात

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि इस कदम को देश के संसदीय लोकतंत्र के साथ विश्वासघात करार दिया। उन्होंने कहा कि आज मुझे बीजेपी पार्टी का रवैया देखकर दुख हो रहा है...उन्होंने लोकतंत्र को कैसे धोखा दिया...उन्होंने महुआ को अपना रुख स्पष्ट करने की अनुमति नहीं दी। सरासर अन्याय हुआ है। ममता ने कहा कि मैं आपको बता रही हूं कि महुआ (मोइत्रा) परिस्थितियों की शिकार हुई हैं। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं...हमारी पार्टी महुआ से साथ है हमारी पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर लड़ेगी...यह लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

सरकार लोकतंत्र को खत्म कर रही है : श्रीनेत

ये सरकार डरती है... सरकार लोकतंत्र को खत्म कर रही है। - कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, सबसे बड़ा विरोधाभास है कि एक व्यक्ति पर आपने कुछ आरोप लगाए, सभी उस पर बोल रहे थे पर महुआ मोइत्रा बोलने और सफाई देने का मौका नहीं दिया गया। मुझे लगता है कि ये न्यायोचित नहीं है, भाजपा सशक्त महिलाओं से घबराती हैं। अडानी पर अगर कोई बात कर ले तो सदन में आपके लिए जगह नहीं है। अडानी और मोदी के रिश्तों पर जो भी सवाल उठाएगा उसके खिलाफ हर प्रकार की मनमानी कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा महिलाओं को बर्दाश्त नही करती : टीमएसी

कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि महुआ मोइत्रा को अपराधी बताने के बाद एथिक्स कमेटी ने पूछताछ की मांग की। आप अपराधी मिलने के बाद जांच की मांग कैसे कर सकते हैं? आपको पहले जांच करनी चाहिए और फिर किसी को अपराधी कहना चाहिए आपको(एथिक्स कमेटी) कानून की प्रक्रिया का पालन करना चाहिए। पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री डॉ. शशि पांजा ने कहा कि एक महिला का सत्ता में होना ऐसी चीज है जिसे भाजपा बर्दाश्त नहीं कर सकती....

उन्होंने(भाजपा) कैसे सोचा कि यह निष्कासन उन्हें(महुआ मोइत्रा) चुप कराने के लिए काफी है? वे 2024 में फिर चुनाव लड़ेंगी। - कांग्रेस नेता अब्दुल खालिक ने कहा, जो भी अडानी पर सवाल उठाता है ये सरकार उसके खिलाफ कार्रवाई करती है। महुआ मोइत्रा के केस में भी हमने वही देखा।

महुआ को फंसाया गया : आप

आप के राज्यसभा सांसद संदीप पाठक कहते हैं, एक लक्ष्य रखा गया था कि उन्हें (महुआ मोइत्रा) को हटाना है और फिर एक रणनीतिक योजना बनाई गई, उन्हें फंसाया गया... हर कोई जानता था कि यह सब उन्हें निलंबित करने के लिए किया गया था। ..हम महुआ मोइत्रा के साथ हैं...। आप की प्रियंका कक्कर ने कहा कि बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज बृजभूषण सदन में है, और महुआ मोइत्रा को बाहर किया गया है। यह छ्छ्छकी सोची समझी साजिश है।

- 'एक्स' पर एक पोस्ट में, अखिलेश यादव ने किसी का नाम लिए बिना कहा, सत्ताधारी दल विपक्ष के लोगों की सदस्यता लेने के लिए किसी सलाहकार को रख ले, जिससे मंत्रियों एवं सत्ता पक्ष के सासंदों और विधायकों का समय षड्यंत्रकारी गतिविधियों में न लगकर लोकहित के कार्यों में लगे। जिन आधारों पर सांसदों की सदस्यता ली जा रही है, अगर वही आधार सत्ता पक्ष पर लागू हो जाएं तो शायद उनका एक दो सांसद-विधायक ही सदन में बचेगा। कुछ लोग सत्ता पक्ष के लिए सदन से अधिक सड़क पर घातक साबित होते हैं।

महुआ के पक्ष में उतरा विपक्ष

एक दिन पहले तक जो इंडिया गठबंधन और उसके सदस्य बिखरे नजर आ रहे थे, इस प्रकरण के बाद वह पूरी तरह एकजुट रहे। राज्य चुनावों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के कारण गठबंधन तनाव में दिख रहा था। तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल (यूनाइटेड) ने भाजपा से मुकाबला करने की कांग्रेस की क्षमता पर सवाल उठाए। लेकिन महुआ मोइत्रा प्रकरण ने माहौल बदल दिया है और इंडिया ब्लॉक की एक और सौहार्दपूर्ण बैठक के लिए माहौल तैयार कर दिया है। टीएमसी नेता द्वारा उठाए गए मुद्दों पर राहुल गांधी ने भी आवाज उठाई है, जहां उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार पर एक व्यापारिक घराने का पक्ष लेने का आरोप लगाया है। कांग्रेस उनसे ज्यादा दिनों तक दूरी नहीं बना सकी। साथ ही, वह टीएमसी को नाराज करने से भी सावधान थी, जिसने हाल तक उनके मामले पर काफी हद तक चुप्पी साध रखी थी। लेकिन सोनिया गांधी ने खुद एकजुटता दिखाते हुए टीएमसी और ममता बनर्जी को खुश कर दिया है। कांग्रेस ने महुआ के समर्थन में अपने सांसदों को लोकसभा में मौजूद रहने का व्हिप जारी किया था। इतना ही नहीं, ममता के विरोधी माने जाने वाले अधीर रंजन चौधरी ने महुआ के साथ खड़े होने और स्पीकर को पत्र लिखकर आचार समिति की रिपोर्ट पर चर्चा के लिए और समय मांगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सड़क हादसों में गड्ढे भी जिम्मेदार

अभी हाल ही यूपी में एक आंकड़ा आया है सड़क हादसे में हर साल सैकड़ों लोगों की जान चली जाती है। इसमें कई घटनाएं गाड़ियों के आपसी भिड़त से होती है तो बहुत हादसे गलत गाड़ी चलाने से होती है पर सबसे हैरान करने वाले आंकड़े तो ये आए है सड़क की गड्ढों की वजह से सैकडों जाने गई हैं। ऐसा नही सड़क की गड्ढों की वजह से यूपी में ही लोग मरते इससे होने वाले हादसों में पूरे भारत ही पूरी दुनिया में लाखों लोग असमय ही काल के गाल में समा जाते हैं। हालांकि सरकारे इस ओर घ्यान दे रहीं है पर और जागरूक होने की जरूरत है। कमोबेश दुनिया के देशों में आज भी सड़कों पर गड्ढ़ों के कारण दुर्घटना से मौत के आंकड़ों में साल दर साल बढ़ोतरी ही होती जा रही है। केन्द्रीय सड़क व परिवहन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में तमाम सड़क हादसों में सबसे अधिक मौत सड़कों पर बने गड्ढ़ों के कारण हो रही है।

हालांकि आतंकवादी गतिविधियों में होने वाली जनहानि से दुनिया के देशों में सड़कों के गड्ढ़ों से होने वाली दुर्घटनाओं और मौतों से तुलना करना एक तरह से उचित नहीं माना जा सकता पर जिम्मेदारों की जरा-सी लापरवाही से सड़क के गड्ढों के कारण होने वाली मौतों का बढ़ता आंकड़ा गंभीर चिंता का कारण बन जाता है। हालांकि आतंकवादियों का उद्देश्य अलग होता हे वहीं सड़कों के गड्ढ़ों की मरम्मत कराकर ठीक करना तो हमारे हाथ में ही होता है। बात थोड़ी अजीब अवश्य लगेगी पर वास्तविकता तो यही है कि देश दुनिया में सड़कों के गड्ढे दुनिया की आतंकवादी गतिविधियों पर भारी पड़ रहे हैं। वैश्विक आंकड़ों का विश्लेषण किया जाए तो 2021 में आतंकवादी गतिविधियों के कारण 5226 लोग मारे गये। वहीं दूसरी और अकेले अमेरिका में ही 2021 में सड़कों के गड्ढ़ों के कारण 15 हजार से अधिक मारे गए। इसी तरह से इंग्लैण्ड में 1390, भारत में 3565 और रूस में 431 लोग मारे गए। आतंकवाद के कारण होने वाली मौतों से यह कोई चार गुणा अधिक है। मौत को अलग कर भी दिया जाए तो सड़कों पर गड्ढ़ों से होने वाले अन्य नुकसान का ही विश्लेषण करें तो साफ हो जाता है कि यह कोई छोटी-मोटी राजस्व हानि नहीं अपितु बड़े नुकसान से भी जुड़ा हुआ है। ऐसा नहीं है कि सरकारें या दुनिया के देश इस समस्या को लेकर गंभीर नहीं हों पर जो नतीजे साल दर साल देखने को मिलते हैं वह अपने आप में गंभीर है। सड़क के गड्ढ़ों की वैश्विक गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि जानकारों को मानना है कि प्रतिवर्ष 15 जनवरी को राष्ट्रीय गड्ढ़ा दिवस मनाया जाता है। इंग्लैण्ड में गड्ढ़ों से होने वाले नुकसान पर नागरिकों को मुआवजा देने का प्रावधान जागरूकता ही इससे बचाव हैं।

ऐसा नही सड़क की गड्ढों की वजह से यूपी में ही लोग मरते इससे होने वाले हादसों में पूरे भारत ही पूरी दुनिया में लाखों लोग असमय ही काल के गाल में समा जाते हैं। हालांकि सरकारे इस ओर घ्यान दे रहीं है पर और जागरूक होने की जरूरत है। कमोबेश दुनिया के देशों में आज भी सड़कों पर गड्ढ़ों के कारण दुर्घटना से मौत के आंकड़ों में साल दर साल बढ़ोतरी ही होती जा रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राष्ट्रवाद, विकास और आरक्षण का चुनावी दांव

प्रदीप मिश्र

उत्तर भारत के तीन राज्यों में चुनाव जीतने से उत्साहित भाजपा केंद्रशासित जम्मू-कश्मीर में अगले वर्ष लोकसभा के साथ ही विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई लगती है। गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन और आरक्षण से संबंधित संशोधन विधेयक पारित करवा कर पूर्ववर्ती राज्य में पांच अगस्त, 2019 के बाद हुए बदलाव और विकास को बहस का मुद्दा बना दिया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अधिकारों से वंचित पिछड़ों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों, कश्मीरी पंडितों और पीओजेके शरणार्थियों को आरक्षण देकर उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की प्रभावी पहल कर दी। अनुच्छेद 370 इसमें बाधा थी। इसी कारण यहां मंडल आयोग की सिफारिशों के मुताबिक ओबीसी को तीन दशक बाद भी आरक्षण नहीं दिया जा सका।

आतंकी घटनाओं में 70 फीसदी की कमी, पर्यटकों की संख्या दो करोड़ से ज्यादा होने और प्राकृतिक संसाधनों के समुचित इस्तेमाल के लिए निवेश बढ़ने के आंकड़ों के बहाने उन्होंने 2024 पर निगाह का स्पष्ट संकेत दे दिया। यही वजह है कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से लेकर केंद्र सरकार के नुमाइंदे दावा करने लगे हैं कि 2026 तक आतंकवाद का खात्मा जड़ से कर दिया जाएगा। नि:संदेह, जम्मू-कश्मीर में काफी कुछ बदला है। उद्योगों के लिए 56 हजार करोड़ रुपये के प्रस्ताव हैं। कुल 26 हजार करोड़ के काम शुरू हो चुके हैं। दो साल में 350 से ज्यादा फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। श्रीनगर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद एक मल्टीप्लेक्स और चार सिनेमाहॉल खुल चुके हैं। दुबई का इमर समूह श्रीनगर में 500 करोड़ रुपये से मॉल बना रहा है। जी-20 के आयोजन से जम्मू-कश्मीर को नई अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली है। श्रीनगर में 35 साल बाद पहली बार दशहरे पर शोभायात्रा निकाली गई तो शिया समुदाय 33 साल बाद मोहर्रम पर जुलूस निकाल सका। सीमावर्ती इलाकों में दिवाली मनाई गई। यही कारण है कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद सेना पर ज्यादतियों का आरोप लगाने के बाद चर्चा में आई जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ की पूर्व उपाध्यक्ष शेहला राशिद को अब यहां अमन-चैन लगने लगा है। एक तरह से वह सियासी फायदा उठाने के लिए जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा की अघोषित ब्रांड एंबेसडर बन रही हैं।

दूसरी ओर भाजपा के लिए राम मंदिर, समान नागरिक संहिता और अनुच्छेद 370 की ही तरह पाकिस्तान के कब्जे से पीओजेके वापस लेना राष्ट्रवाद का अहम मुद्दा है। संसद के दोनों सदनों में 22 फरवरी, 1994 को पीओके वापसी का सर्वसम्मत संकल्प लिया गया था। उस समय कांग्रेस के पीवी नरसिंहराव प्रधानमंत्री थे। केंद्र ने अनुसूचित जातियों को नौ और अनुसूचित जनजातियों को सात सीटों के लिए राजनीतिक आरक्षण देकर सामाजिक न्याय देने की अवधारणा की ओर एक कदम बढ़ाया है। पहाड़ी समुदाय की कई जातियों को अनुसूचित जनजाति का हिस्सा बनाया गया है। इन समूहों को नौकरियों में तो आरक्षण मिलता था लेकिन राजनीतिक आरक्षण से वंचित रखा गया था। इसके लिए जुलाई में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की सूची का विस्तार किया गया था। इसी तरह ओबीसी आरक्षण की बाधाओं को दूर करने के लिए अनुच्छेद 370 हटने के बाद 2004 के राज्य सरकार के आरक्षण अधिनियम में बदलाव किया गया था। आयोग बनाकर इसका आकलन किया गया। माना जा रहा है कि यहां की 40 फीसदी आबादी पिछड़ा वर्ग के दायरे में है। कश्मीरी पंडितों के लिए दो और पीओजेके के प्रतिनिधित्व के लिए एक सीट मनोनयन कोटे में आरक्षित की गई है। कश्मीरी पंडितों में एक महिला की नियुक्ति अनिवार्य होगी। कश्मीरी पंडितों के रूप में जम्मू-कश्मीर में 46,631 परिवार हैं। इनसे जुड़े 1,58,976 लोग बतौर परिजन पंजीकृत हैं। इसी तरह कश्मीरी विस्थापितों की संख्या 41,884 है। गौरतलब है कि 2018 के पंचायत चुनाव में भाजपा ने प्रत्याशियों के तौर पर महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिया था।

भाजपा जानती है कि 370 हटाए जाने के बाद राजकाज, कारोबार, नौकरियों और जमीन-जायदाद की खरीद में देश के अन्य राज्य के लोगों का दखल बढ़ने से जम्मू की जनता में ही जद्दोजहद नहीं है, कश्मीरी अवाम भी कशमकश में है। राष्ट्रीय मुद्दों आतंकवाद-अलगाववाद से सुरक्षा, स्थिर सरकार, सुशासन के प्रभाव में स्थानीय मुद्दे गौण हो जाएंगे। ऐसे में पार्टी राष्ट्रवाद, विकास कार्य, निवेश और आरक्षण को मुद्दा बनाकर पहली बार अपने बल पर सरकार बनाने का इनाम चाहती है। विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक आजाद पीपुल्स पार्टी, अपनी पार्टी, पीपुल्स कान्फ्रेंस आदि परोक्ष रूप से उसके मददगार होंगे।

वैज्ञानिक ढंग से हो उकसाने के मुकदमे की जांच

आलोक मित्तल

शायद ही कोई दिन हो जब हम मीडिया में किसी न किसी व्यक्ति द्वारा आत्महत्या करने के बारे में न पढ़ते-देखते हों। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल लगभग दस लाख लोग आत्महत्या करते हैं और 20 गुना अधिक लोग आत्महत्या का प्रयास करते हैं। औसतन हर 40 सेकंड में एक मौत और हर 3 सेकंड में एक प्रयास। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में वर्ष 2020 में 1,53,052, 2021 में 1,64,033 व 2022 में 1,70,924 आत्महत्याएं की गईं। आत्महत्या के मामलों में निरंतर वृद्धि चिन्ता का विषय है। एनसीआरबी के वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार आत्महत्या के प्रमुख कारण पारिवारिक समस्याएं, बीमारी, नशे की लत, शादी संबंधी मुद्दे, प्रेम प्रसंग, दिवालियापन व बेरोजगारी हैं। आत्महत्या के काफी मामलों में मृतक के परिजन किसी अन्य व्यक्ति को जिम्मेदार मानते हैं तथा पुलिस से उसके विरुद्ध कार्रवाई के लिए कहते हैं। कई बार कानून-व्यवस्था बनाये रखने को ऐसे मामलों में भी एफआईआर दर्ज करनी पड़ती है, जिसमें आरोपी असल में उस सुसाइड के लिये जिम्मेदार नहीं होता।

भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के अनुसार आत्महत्या के लिए उकसाना आपराधिक कृत्य है, जिसमें किसी को अपनी जान लेने के लिए मदद करना, उकसाना या मजबूर करना शामिल है। इन मामलों में दोषी को 10 वर्ष तक सजा एवं जुर्माने का प्रावधान है। भारतीय दंड संहिता की धारा 107 'उकसाने' को परिभाषित करती है। सर्वोच्च न्यायालय ने रमेश कुमार बनाम छत्तीसगढ़ राज्य के मामले में कहा है कि उकसाने का अर्थ किसी कार्य को करने के लिए प्रेरित करना, आगे बढ़ाना या मजबूर करना है। भादंसं की धारा 107 और धारा 306 के सह-संबंध पर न्यायालयों द्वारा बार-बार चर्चा की गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने एसएस छेना बनाम विजय कुमार महाजन और अन्य, एसएलपी 2009 के मामले में कहा है कि उकसाने में जान-बूझकर किसी व्यक्ति को कुछ करने में सहायता/मजबूर करने की एक मानसिक प्रक्रिया शामिल है। अभियुक्त की स्पष्ट मन:स्थिति के बिना, धारा 306 भादसं के तहत दोष सिद्धि को कायम नहीं रखा जा सकता है।

इसके लिए एक सक्रिय या प्रत्यक्ष कृत्य की भी आवश्यकता होती है, जिसके कारण मृतक को आत्महत्या करने के अलावा कोई विकल्प न दिखाई दे। उदाहरण के तौर पर कोई कर्मचारी अपने अधिकारी के पास अवकाश मांगने जाता है और अधिकारी काम की अधिकता के कारण अवकाश देने से मना कर देता है। जिस पर वह कर्मचारी आत्महत्या कर लेता है तो इसे आत्महत्या के लिये उकसाना नहीं माना जाना चाहिए। कई बार आत्महत्या करने वाला व्यक्ति ऑडियो, वीडियो संदेश या सुसाइड नोट के माध्यम से आत्महत्या के लिए जिम्मेदार को उल्लेखित करता है। परन्तु एक प्रश्न हमेशा बहस का विषय रहता है कि क्या केवल सुसाइड नोट में किसी व्यक्ति का नाम उल्लेखित होने से उस व्यक्ति को दोषी मानना चाहिए? यह सच है कि सुसाइड नोट जांच एजेंसी को सही दिशा तय करने में बहुत मदद करता है लेकिन यह एकमात्र ठोस एवं निर्णायक सबूत नहीं माना जाना चाहिए।

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने एआर माधव राव बनाम हरियाणा राज्य मामले में कहा है कि केवल सुसाइड नोट में किसी व्यक्ति का नाम होने से वह धारा 306 के तहत अपराधी नहीं है। सुसाइड नोट के साथ अन्य सम्बन्धित परिस्थितियों का विश्लेषण करने तथा यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि पीड़ित ने आत्महत्या उकसावे के कृत्य की वजह से ही की है। आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले जांच अधिकारियों के लिए बड़ी चुनौतियां पेश करते हैं, क्योंकि इनमें अक्सर जटिल भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारक शामिल होते हैं। मृतक की मानसिक स्थिति व उसके और कथित उकसाने वाले के बीच भावनात्मक गतिशीलता को समझना आवश्यक है। ऐसे मामलों में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे जांच को अधिक जटिल बनाते हैं। कुछ मामलों में भावनात्मक प्रभाव या मौखिक दबाव की अप्रत्यक्ष/अस्पष्ट प्रकृति के कारण उकसावे के ठोस सबूत प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है। आत्महत्या करने वाले के परिजन जांचकर्ता पर आरोपी को गिरफ्तार करने का निरन्तर दबाव बनाते हैं। उक्त चुनौतियों के चलते इस तरह के मामलों में दोषसिद्धि दर काफी कम रहती है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार भारत में धारा 306 के अन्तर्गत दर्ज मामलों में दोषसिद्धि दर, वर्ष 2020 में 21.8 प्रतिशत तथा 2021 में 22.6 प्रतिशत रही है, जो बहुत कम है। अत: जांच अधिकारी को ऐसे मामलों की जटिलताओं को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए फोरेंसिक मनोवैज्ञानिक का सहयोग भी लेना आवश्यक है। यह स्थापित करना बेहद आवश्यक है कि मृतक द्वारा स्वयं इस कृत्य को अंजाम दिया गया है या उसकी हत्या करके इसे आत्महत्या का रूप दिया गया है। इसके लिए व्यापक शव परीक्षण आवश्यक है। पीड़ित के परिजनों, दोस्तों, सहकर्मियों से पूछताछ करना आवश्यक है। जैसे-जैसे आत्महत्या के मामले बढ़ेंगे वैसे-वैसे धारा 306 के अंतर्गत दर्ज होने वाले मुकदमों में भी बढ़ोतरी होगी। अत: आवश्यक है कि इस तरह के मामलों की जांच संपूर्ण, निष्पक्ष और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से की जाए।

बच्चों की हड्डियां

इस तरह बनाएं मजबूत

बच्चों के गिरने पर सामान्यतः कोहनी, कलाई या बाहों की हड्डी टूटने की घटनाएं देखी गई हैं, लेकिन शरीर के किसी भी अंग की हड्डी टूट सकती है। बचपन में हड्डी टूटने का असर आगे चलकर महसूस हो सकता है।

बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए विटामिन डी, मैग्नीसियम, विटामिन के की सही मात्रा आहार में शामिल करें। बच्चों को शारीरिक रूप से एक्टिव रखने के लिए उन्हें व्यायाम कराएं और उनका वजन नियंत्रित रखें। हड्डी टूटने पर स्प्लिंट और कास्ट का उपयोग करें या फिर ट्रैक्शन और सर्जरी के विकल्प का उपयोग करें। आजीवन स्वस्थ व मजबूत हड्डियों की नींव बचपन में हड्डियों के सही विकास से बनती है। इसलिए एक स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने के लिए बचपन का समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस समय बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

हेल्दी आहार खिलाएं

विटामिन डी हड्डियों के लिए बहुत जरूरी होता है। विटामिन की कमी बच्चों और व्यस्कों, दोनों में हड्डियों की मजबूती को एक समान रूप से प्रभावित करती है। इसलिए बच्चों को विभिन्न स्रोतों, खाने और धूप द्वारा पर्याप्त विटामिन डी दें। इसके अलावा आहार में मैग्नीसियम और विटामिन के की मात्रा बढ़ाएं। कैल्सियम और मैग्नीसियम मिलकर हड्डियों की मजबूती बढ़ाते हैं। इसलिए अपने बच्चों के आहार में भरपूर मैग्नीसियम शामिल करें। विटामिन के ओस्टियोकैल्सिन को एक्टिवेट करता है, जो एक महत्वपूर्ण प्रोटीन है और स्वस्थ हड्डियों के निर्माण के लिए कैल्सियम के परिवहन में मदद करता है। इसलिए बच्चों के आहार में विटामिन के भी भरपूर मात्रा में होना चाहिए।

वजन नियंत्रित रखें

हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए स्वस्थ वजन का बने रहना जरूरी है। वजन औसत से थोड़ा ज्यादा होने पर हड्डियों की सुरक्षा भी बढ़ती है। इसीलिए अभिभावकों को सलाह दी जाती है कि वो अपने बच्चों को संतुलित आहार दें और उन्हें जंक फूड से बचाएं। अक्सर बच्चे टीवी देखते देखते खाना खाते हैं. कुछ बच्चे ऐसे होते हैं जो टेस्टी फूड के चक्कर में अनहेल्दी खाना खाते जाते हैं और मोबाइल या टीवी में व्यस्त रहते हैं। इस आदत से भी वजन बढ़ता है। बेहतर है बच्चे को खाने के समय डाइनिंग टेबल पर आने और खाने पर ध्यान देने का जोर दें। रात में देर से सोने और सुबह देर तक सोने जैसी आदतें बदल दें।

शारीरिक रूप से एक्टिव रखें

एक तरह से देखा जाए, तो माता-पिता ही बच्चे के पहले दोस्त होते हैं। इसी वजह से जब भी माता-पिता को समय मिले उन्हें खुद भी बच्चे के साथ कोई-न-कोई खेल खेलना चाहिए। पूरे परिवार के साथ पिकनिक पर जाकर भी क्रिकेट, छुपन-छुपाई जैसे गेम बच्चे के साथ खेल सकते हैं। इससे बच्चों का रुझान खेल की तरफ बढ़ेगा और उसे अच्छा भी महसूस होगा। शारीरिक शक्ति बढ़ाने वाले व्यायामों से हड्डियां और पेशियां मजबूत बनती हैं, जिसका बच्चों के समग्र स्वास्थ्य पर बहुत अच्छा असर होता है। अपने बच्चे को रनिंग, डांसिंग, बास्केटबॉल, टेनिस, फुटबॉल, एवं अन्य व्यायामों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि उनकी हड्डियों और पेशियों का स्वस्थ विकास हो। इसके लिए आउटडोर गेम को सबसे बेहतर माना गया है। खेलने से न सिर्फ बच्चे शारीरिक रूप से एक्टिव रहते हैं, बल्कि उनके मानसिक स्तर पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। खेल से जुड़े कई रोचक तथ्य होते हैं, जिनके बारे में माता-पिता अपने बच्चे को बता कर उनका ध्यान खेल की तरफ आकर्षित कर सकते हैं।

हंसना मना है

सरदार लड़की वालों के यहां रिश्ता लेकर पहुंचा, मां-बाप बोले- हमारी बेटी अभी पढ़ रही है, सरदार बोला- कोई बात नहीं जी, हम एक-दो घंटे बाद आ जायेंगे।

पहला दोस्त- यार मैंने अपनी बहन की डायमंड रींग चुराकर मेरी गर्लफ्रेंड को दे दी, दुसरा दोस्त - हरामखोर, दो दिन पहले हमने खरीदकर दी थी तेरी बहन को, पहला दोस्त - अबे मारता क्यों है बे साले तेरी बहन को ही तो दी है।

लड़की- कितना प्यार करते हो मुझसे? लड़का- शाहजहांन जैसा, लड़की- तो ताजमहल बनवाओ, लड़का- जमीन खरीद ली है, बस तुम्हारे मरने का इंतजार कर रहा हुं।

पप्पू- मेरे बाप के आगे बड़े -बड़े लोग कटोरी लेके खड़े होते है, लड़की- अच्छा! कौन है तुम्हारा बाप? पप्पू- पानी पूरीवाला।

पप्पु बहूत देर से एक लड़की को घुर रहा था, लड़की- तेरे घर में मां बहन नहीं है क्या? पप्पू- है न तभी तो देख रहा हुं, क्योंकि मां को बहू और बहन को भाभी चाहिए।

जरुरत से ज्यादा भगवान को याद मत किया करो क्योंकि, किसी दिन भगवान ने याद कर लिया तो, लेने के देने पड़ जायेंगे।

कहानी — अकबर का तोता

बहुत समय पहले की बात है। एक बार अकबर बाजार में भ्रमण पर निकले थे। वहां उन्होंने एक तोता देखा, जो बहुत ही प्यारा था। उसके मालिक ने उसे बहुत अच्छी बातें सिखाई थीं। अकबर यही देखकर खुश हो गए। उन्होंने उस तोते को खरीदने का फैसला कर लिया। तोते को खरीदने के बदले अकबर ने मालिक को अच्छी कीमत दी। वो उस तोते को राजमहल लेकर आए। यहां पर तोते को लाने के बाद अकबर ने उसे बहुत अच्छे से रखने का फैसला किया। अब अकबर जब भी उससे कोई बात पूछते, तो वह उस बात का तुरंत जवाब दे देता था। अकबर बहुत खुश हो जाते थे। वह तोता दिनों-दिन उनके लिए जान से भी प्यारा हो गया था। उन्होंने महल में उसके रहने के लिए शाही व्यवस्था करने का आदेश दिया। उन्होंने अपने सेवकों को कहा कि इस तोते का खास ख्याल रखा जाए। तोते को किसी भी प्रकार की तकलीफ नहीं होनी चाहिए।'उन्होंने यह भी कहा कि यह तोता किसी भी हालत में मरना तो बिल्कुल भी नहीं चाहिए। अगर किसी ने तोते के मरने की खबर उनको दी, तो वह उसको फांसी दे देंगे।'महल में तोते के रहने का खास ख्याल रखा जाने लगा। फिर एक दिन अचानक अकबर का प्यारा तोता मर गया। अब महल के सेवकों में हड़कंप मच गया कि आखिर अकबर को यह बात कौन बताएगा, क्योंकि अकबर ने कहा था कि जो भी तोते की मौत की खबर उन्हें देगा, वह उसकी जान ले लेंगे। अब सेवक परेशान थे। काफी सोच-विचार के बाद उन्होंने फैसला किया कि यह बात बीरबल को बताई जाए। सभी ने बीरबल को सारी बात बताई। यह भी बताया कि बादशाह अकबर मौत की खबर देने वाले को मौत की सजा देंगे। यह सुनकर बीरबल, बादशाह अकबर को यह खबर सुनाने को राजी हो गए। वो महल में अकबर को यह जानकारी देने के लिए चल पड़े। बीरबल ने अकबर के पास जाकर कहा कि महाराज एक दुखद खबर है।' अकबर ने पूछा- 'बताओ क्या हुआ?' बीरबल ने कहा कि महाराज आपका प्यारा तोता, न तो कुछ खा रहा है, न तो कुछ पी रहा है, न तो कुछ बोल रहा है, न आंखें खोल रहा है और न ही कोई हरकत कर रहा है।' अकबर गुस्से में आकर बोले कि न ही क्या? सीधा-सीधा क्यों नहीं बोलते कि वो मर गया है।' बीरबल ने कहा कि हां महाराज, लेकिन ये बात मैंने नहीं आपने कही है। इसलिए, मेरी जान बक्श दीजिए।' अकबर भी कुछ न बोल सके। इस तरह बीरबल ने बड़ी सूझबूझ से अपनी और अपने सेवकों की जान बचा ली।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

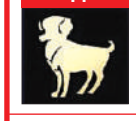

घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। तत्काल लाभ नहीं होगा। बिगड़े काम बनेंगे।

वृषभ

सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा।

मिथुन

आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कर्क

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह

आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा।

कन्या

दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। लेन-देन में सावधानी रखें। लाभ होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे।

तुला

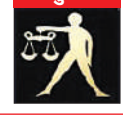

बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है। वाणी में कड़े शब्दों के इस्तेमाल से बचें।

वृश्चिक

वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे।

धनु

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

मकर

व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें।

कुम्भ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी।

मीन

रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा।

इमरान हाशमी बहुत कंफ्टेबल किसर नहीं हैं: तनुश्री दत्ता

तनुश्री दत्ता ने इमरान हाशमी के साथ तीन फिल्मों में काम किया है, जिसमें आशिक बनाया आपने, चॉकलेट-डीप डार्क सीक्रेट्स और गुड बॉय, बैड बॉय शामिल हैं। फिल्म आशिक बनाया आपने में कपल का किस सीन आज तक चर्चे में रहा है। अभिनेत्री ने हाल ही में एक बातचीत में इसे लेकर खुलकर बात की है। तनुश्री दत्ता ने इमरान के साथ अपने किसिंग सीन को काफी अजीब बताया। तनुश्री दत्ता ने हाल ही में एक बातचीत में बताया कि इमरान हाशमी बहुत कंफ्टेबल किसर नहीं हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए इमरान हमेशा पहले दिन से ही अभिनेता रहे हैं। मैंने उनके साथ तीन फिल्में कीं। हमने चॉकलेट में भी एक किसिंग सीन शूट किया था, लेकिन उन्होंने इसे नहीं रखा। पहली बार यह बहुत अजीब था। दूसरी बार थोड़ा कम अजीब लगा। क्योंकि वास्तविक जीवन में व्यक्तिगत रूप से हम दोनों के बीच कोई तालमेल नहीं है। अभिनेत्री ने कहा, उनकी किसर-बॉय वाली छवि तो है, लेकिन वह सबसे सहज किसर नहीं हैं और न ही मैं हूं। तनुश्री दत्ता ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म आशिक बनाया आपने से की थी। तनुश्री ने चॉकलेट-डीप डार्क सीक्रेट्स, भागम भाग और 36 चाइना टाउन सहित कई अन्य फिल्मों में काम किया है। हालांकि, तनुश्री दत्ता सुर्खियों में तब आईं, जब उन्होंने हॉर्न ओके प्लीज की शूटिंग के दौरान नाना पाटेकर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इस फिल्म में अभिनेत्री का एक डांस नंबर था। तनुश्री दत्ता के आरोपों ने भारत में मीटू आंदोलन के रास्ते खोल दिए थे। इसके बाद सोशल मीडिया पर कई लोगों ने अपने साथ हुए इस तरह की घटना को साझा किया था। कई अभिनेत्रियों ने मीटू अभियान में हिस्सा लेते हुए अपने साथ हुए इस तरह के व्यवहार को लेकर आवाज उठाई थी। वहीं, इमरान हाशमी की बात करें तो उन्हें बॉलीवुड का सीरियल किसर कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्होंने अपने किसिंग सीन के जरिए इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई। हाल ही में इमरान हाशमी टाइगर 3 में विलेन के किरदार में नजर आए थे। इमरान हाशमी ने हाल ही में एक बातचीत में बताया था कि वह उनकी सीरियल किसर वाली छवि से छुटकारा पाना चाहते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

कोंकणा सेन शर्मा की निर्देशन प्रतिभा के कायल हुए करण जौहर

कोंकणा सेन ने बॉलीवुड की कई चर्चित फिल्मों में अपने अभिनय से रूबरू कराया है। कोंकणा बहुमुखी प्रतिभा की धनी अभिनेत्री हैं और अभिनय के साथ-साथ अपने निर्देशन से भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय हैं। इस साल आई सीरीज लस्ट स्टोरीज-2 के एक सेगमेंट द मिरर का निर्देशन उन्हीं ने किया, जिसे काफी पसंद किया गया। हाल ही में करण जौहर भी कोंकणा सेन की तारीफ करते नजर आए। हाल ही में एक मीडिया बातचीत में करण जौहर और कोंकणा सेन शर्मा दोनों शामिल हुए। इस दौरान करण जौहर ने कोंकणा सेन के निर्देशन की दिल खोलकर तारीफ की। इस दौरान करण जौहर ने लस्ट स्टोरीज 2 में कोंकणा सेन शर्मा द्वारा निर्देशित द मिरर के समापन दृश्य पर खासतौर से बात की, जिसमें तिलोत्तमा शोम और अमृता सुभाष की मुलाकात एक सब्जी वाले के पास होती है। करण जौहर ने कहा कि उन्होंने किसी सब्जी विक्रेता के यहां प्रतिभा का इससे ज्यादा शानदार दृश्य नहीं देखा है। करण जौहर ने इस दौरान उन सीन की बारीकियों पर गौर किया, जिसमें ठहराव, चुप्पी, बेढंगापन और आखिर में एक समाधान, सब दिखाई देता है। ये सीन सिर्फ एक्टर से निर्देशन की दुनिया में उतरा कोई शख्स ही कर सकता है। करण जौहर ने ये खुलासा भी किया कि उन्होंने इस सीन को तीन बार रिवाइंड करके देखा। इस सीन ने भावनात्मक स्तर पर उन्हें काफी ज्यादा प्रभावित किया। इसकी तारीफ करते हुए करण जौहर ने सिनेप्रेमियो और मेकर्स से इस सीन को खासतौर से देखने का आग्रह किया। वहीं, कोंकणा को भी अपने इस काम से बेहद संतुष्टि मिली। बता दें कि लस्ट स्टोरीज में चार कहानिया हैं। अन्य तीन कहानियों का निर्देशन आर बाल्की, सुजॉय घोष और अमित रविंद्रनाथ शर्मा ने किया।

रणबीर कपूर के साथ दोबारा काम नहीं करना चाहते अनुराग कश्यप!

रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म एनिमल सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इस फिल्म की एक तरफ जहां सराहना की जा रही है, वहीं दूसरी ओर कई लोग आलोचना भी कर रहे है। बीते दिनों निर्माता अनुराग कश्यप एनिमल की आलोचना करने वालों को मुहतोड़ जवाब देते नजर आए थे। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अनुराग ने रणबीर को लेकर कुछ ऐसा कह दिया है कि वह सुर्खियों में आ गए हैं।

एक बातचीत के दौरान जब अनुराग से पूछा गया कि क्या आप रणबीर के साथ आप दोबारा काम करना चाहेंगे? निर्माता ने कहा, रणबीर कपूर कला में माहिर हैं। कौन उनके साथ काम नहीं करना चाहेगा? इंडस्ट्री के सभी निर्माता ऐसे स्टार के साथ काम करना चाहते हैं, जिनके पास ज्यादा प्रशंसक हों। आप देख ही सकते हैं कि एनिमल में उनके अभिनय को दर्शकों द्वारा कितना सराहा जा रहा है। मैं उनके साथ करना चाहता हूं, लेकिन मेरे पास ब्लॉकबस्टर बनाने का कोई फार्मूला नहीं है।

अनुराग ने आगे, जब सितारे सुपरस्टार बन जाते हैं, तो हम लोग एक्सपेरिमेंट नहीं कर सकते। अगर ऐसा करते हैं, तो स्टार और निर्माता दोनों को दर्शकों से गालियां मिलती हैं।

उन्होंने कहा, जब आप किसी स्टार के साथ काम करना चाहते हैं, तो आपको प्रशंसकों की जरूरतों को पूरा करना होता है। मेरे पास ऐसा कौशल नहीं है, कुछ फिल्म निर्माताओं के पास है और वे इस पर काम भी कर रहे हैं।

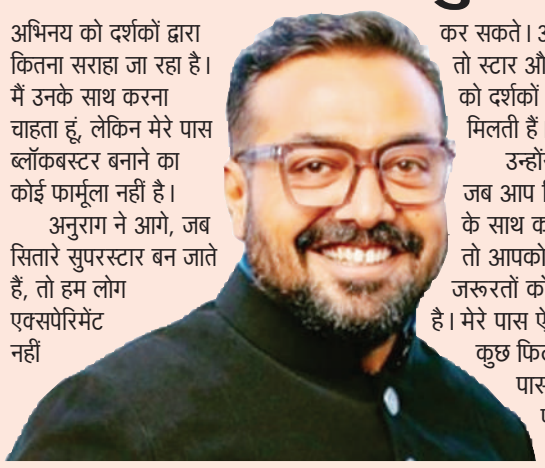

दुनिया का सबसे प्यारा जानवर, बिल्ली की तरह होता है चेहरा, बचने के लिए अपनाता है अजीबोगरीब तरीका!

रेड पांडा को दुनिया के सबसे प्यार जानवरों में एक माना जाता है, जिसका लाल-भूरे फर, गोल चेहरा और बड़ी आंखों होती हैं. ये अपने मनमोहक रूप के लिए फेमस है। बिल्ली की तरह चेहरा होने की वजह से इसे रेड केट बीयरनाम भी जाना जाता है, जिसकी क्यूटनेस आपके दिल को छू लेगी। अब इसका एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर रेड पांडा का ये वीडियो @gunsnrosesgirlx नाम की यूजर ने शेयर किया है, जिसके कैप्शन में बताया गया है कि, 'रेड पांडा बड़े दिखने के लिए डिफेंस मैकेनिज्म के रूप में अपने पिछले पैरों पर खड़े होते हैं, यह एक चट्टान से चौंक जाते हैं.' वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि कैसे रेड पांडा चट्टान से चौंक कर अपने दोनों पैरों पर खड़ा हो जाता है. रेड पांडा का साइंटिफिक नाम आयलुरस फुलगेन्स है, जो पेड़ों पर चढ़ने और झूलने जैसी कलाबाजी करते हैं. ये अपना अधिकांश जीवन पेड़ों पर बिताते हैं, जहां वे सोते हैं और धूप सेंकते हैं. इनके पास ऊंचे-ऊंचे पेड़ों से चढ़ने और उतरने की अद्भुत क्षमता होती है. इन्हें बांस के पेड़ों पर रहना पसंद हैं, क्योंकि रेड पांडा बांस खाते हैं. वे कभी-कभी फल, बलूत का फल, जड़ें, अंडे, कृंतक (Rodents) और पक्षी भी खाते हैं. शिकारी जानवरों से बचने के लिए ये अजीबोगरीब तरीका अपनाते हैं. इनके पास गजब का डिफेंस मैकेनिज्म होता है. खतरा होने पर ये अपने पिछले दोनों पैरों पर खड़ा हो जाता है, ताकि ये शिकारी को बड़ा दिख सके. साथ ही ये शिकारी जानवर को डराने के लिए तेजी से आवाज भी निकाल सकते हैं. इसके अलावा, रेड पांडा अपनी गंध ग्रंथियों से दुर्गंध छोड़ सकते हैं. इनका औसत जीवन काल 8 से 10 साल माना जाता है. इनका वजन 8 से 17 पाउंड तक हो सकता है. रेड पांडा को इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर द्वारा लुप्तप्राय माना जाता है, जिन्हें पालतू जानवर के रूप में रखना गैरकानूनी है.

अजब-गजब | क्लर्क की नौकरी कर रहे शख्स को हुआ था इशू

1928 में ऐसा दिखता था भारतीय पासपोर्ट

आज जब हम 21वीं सदी में हैं, तो हमेशा हमारे दिमाग में ये ख्याल आते होंगे कि आखिर पुराने दौर में लोग कैसे रहते होंगे, उस समय के तौर-तरीके कैसे होंगे, और आज हम जिन जरूरी डॉक्यूमेंट्स या दस्तावेजों को देखते हैं, वो गुजरे समय में किस तरह से जारी किए जाते होंगे। आप की इस जिज्ञासा को सोशल मीडिया पर कुछ हद तक दूर किया गया है क्योंकि इन दिनों एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें करीब 95 साल पुराने एक भारतीय पासपोर्ट को दिखाया गया है।

@vintage.passport.collector पर पुराने पासपोर्ट से जुड़े वीडियोज पोस्ट किए जाते हैं जिसमें उनके बारे में चर्चा होती है और उनसे जुड़े खास पहलुओं के बारे में बताया जाता है हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है जो 95 साल पुराने एक भारतीय पासपोर्ट का है जो साल 1928 का है. ये तो आप जानते ही होंगे कि भारत को 1947 में आजादी मिली है. उससे पहले भारत ब्रिटिश राज के अधीन था. ऐसे में जो भी सरकारी दस्तावेज थे, वो भारत सरकार के द्वारा नहीं, बल्कि ब्रिटिश सरकार के द्वारा जारी किए जाते थे।

इसी वजह से इस पासपोर्ट पर भी लिखा है- ब्रिटिश इंडियन पासपोर्ट और नीचे लिखा है इंडियन एंपायर. पासपोर्ट पर ब्रिटिश सरकार का चिह्न बना हुआ है. वीडियो में एक व्यक्ति पासपोर्ट के बारे में जानकारी दे रहा है. ये पासपोर्ट 1928 में एक शख्स को इशू हुआ था जो ब्रिटिश सरकार में क्लर्क की नौकरी करता था. शख्स का नाम था सैय्यद मोहम्मद खलील रहमान शाह. पासपोर्ट 1938 में एक्सपायर होना था, यानी 10 सालों के लिए जारी किया गया था. पासपोर्ट में शख्स की फोटो भी लगी हुई है, जिसे देखकर आपको अंदाजा लग सकता है कि उस वक्त लोग कैसे कपड़े पहनते थे और दिखते कैसे थे. शख्स के पासपोर्ट पर इराक और ईरान के वीजा हैं, जिससे ये समझ आ रहा है कि भारतीय इराक और ईरान काफी जाया करते थे.इस वीडियो को 23 लाख व्यूज मिल चुके हैं जबकि कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है. एक ने कहा कि ये उसके पर दादा का पासपोर्ट है और तुरंत उसे लौटाया जाए. पर अकाउंट के मालिक ने रिप्लाई कर कहा है कि उसे 4 अन्य लोगों ने भी संपर्क किया है कि ये उनके दादाओं का पासपोर्ट है, आखिर वो किसकी बात पर यकीन करे!

हरियाणा में सारी व्यवस्था बंटाधार : हुड्डा

» बीजेपी की खट्टर सरकार विफल, प्रदेश महंगाई, अपराध, नशे और बेरोजगारी में नंबर वन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने राज्य की बीजेपी व खट्टर सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के नाम पर किसानों के साथ करोड़ों रुपये का घपला हुआ है। क्लस्टर-2 के सात जिलों करनाल, अंबाला, हिसार, गुरुग्राम, जींद, महेंद्रगढ़ और सोनीपत के किसानों से बीमा प्रीमियम तो काट लिया गया लेकिन उनका बीमा ही नहीं किया गया। अब किसान मुआवजे के लिए कभी कंपनियों का मुंह ताक रहे हैं तो कभी सरकार का। हमेशा की तरह उन्हें बीमा और मुआवजा के नाम पर धोखा ही मिल रहा है।

सरकार पर ये आरोप लगाए। एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट से एक बार फिर स्पष्ट हो गया है कि यह सरकार लोगों को सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम है। हरियाणा महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित राज्य बनकर उभरा है। सरकार में बैठे लोग आपसी टकराव में उलझे हुए और कानून-व्यवस्था व स्वास्थ्य सेवाओं का बंटाधार हो चुका है और प्रदेश के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री का मुख्यमंत्री के साथ टकराव जारी है। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। इस मुद्दे को कांग्रेस जोर-शोर से विधानसभा में भी उठाएगी। जींद के बाद अब करनाल में भी छात्राओं के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है। कांग्रेस की मांग है कि ऐसे मामलों की जांच हाई कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में सीबीआई द्वारा होनी चाहिए। कार्यक्रम के बाद हुड्डा ने कहा कि भाजपा-जजपा ने किसानों से एमएसपी और मुआवजा, युवाओं से रोजगार, गरीबों से सौ-सौ गज के प्लॉट जैसी कल्याणकारी योजनाएं, दलित और पिछड़ों से आरक्षण का लाभ छीनने का काम किया है। इसलिए तमाम तबके मिलकर भाजपा से सत्ता छीनने का काम करेंगे। जो हरियाणा 2014 से पहले प्रति व्यक्ति आय, प्रति व्यक्ति निवेश और रोजगार देने में नंबर वन था उसे इस सरकार ने महंगाई, अपराध, नशे और बेरोजगारी में नंबर वन बना दिया है। यही वजह है कि हरियाणा के युवा अपना प्रदेश और देश छोड़कर पलायन करने को मजबूर हैं।

30 पूर्व विधायक भी हो चुके कांग्रेस में शामिल

हुड्डा ने कहा कि गठबंधन सरकार सिर्फ खोखले प्रचार और विज्ञापनों में नजर आती है। जबकि धरातल पर यह पार्टियों साफ हो चुकी हैं। सत्ताधारी दलों के नेता व कार्यकर्ता भी लगातार कांग्रेस की नीतियों में आस्था व्यक्त कर पार्टी ज्वाइन कर रहे हैं। अब तक करीब 30 पूर्व विधायक कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। गठबंधन दल जहां हवा हवाई अखबारी प्रचार में जुटे हैं, वहीं कांग्रेस अपने कार्यक्रमों के जरिए घर-घर तक पहुंचे चुकी है। राजस्थान चुनाव पर टिप्पणी करते हुए हुड्डा ने कहा कि हरियाणा के साथ लगती ज्यादातर सीटों पर कांग्रेस ने जीत हासिल की।

कांग्रेस और करप्शन एक-दूसरे के पर्यायवाची : अजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के ठिकाने पर आयकर विभाग के छापे में 210 करोड़ कैश बरामद हुआ है, इसे गिनने में मशीन तक खराब हो गई। अभी बरामद रुपयों की गिनती चल ही रही है। ऐसे में यह जब्त राशि और बढ़ सकती है। इस मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस के शीर्ष नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी चुप्पी साधे हुए हैं। कांग्रेस और करप्शन पर्यायवाची हैं।

यह बात रक्षा राज्यमंत्री ने भाजपा कुमाऊं संभाग कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की लीडरशिप का भ्रष्टाचारियों को खुला समर्थन है। धीरज साहू राहुल गांधी के काफी करीब हैं। भारत जोड़ो यात्रा में भी धीरज साहू राहुल गांधी के साथ थे। कहा एक तरफ घमंडिया गठबंधन है जहां भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी, लूट-खसोट की गारंटी है और दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी है जो भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। इंवेस्टर्स समिट पर कहा कि इससे बहुत बड़ा बदलाव आने वाला है।

संक्षिप्त खबरें

पवन कल्याण पर नहीं की अभद्र टिप्पणी : रेड्डी

हैदराबाद। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोशल मीडिया पर अपने ऊपर लगे आरोपों की कड़ी निंदा की है। भाजपा नेता ने कहा कि उन्होंने कभी भी जनसेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण पर कोई भी अभद्र टिप्पणी नहीं की है। उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को झूठा प्रचार करार दिया है। किशन रेड्डी ने कहा कि शाम से ही कुछ लोग सोशल मीडिया पर नकारात्मक प्रचार कर रहे हैं कि मैंने जनसेना प्रमुख पवन कल्याण पर अभद्र टिप्पणी की है। मैं इस झूठे प्रचार की कड़ी निंदा करता हूं। मीडिया को बयान जारी करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में भाजपा और जनसेना पार्टी साथ में चुनाव लड़ी थी। दोनों पार्टियों द्वारा सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद ही यह फैसला लिया गया था। तेलंगाना के भाजपा प्रमुख ने सोशल मीडिया पर जानबूझ कर ऐसी अफवाहें फैलाने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करने की घोषणा की है। बता दें कि हाल ही में तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 119 सीटों में से 64 सीटें जीतकर राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। राज्य में कांग्रेस के आने के बाद बीआरएस के 10 साल का शासनकाल खत्म हो गया।

जुमे की नमाज के लिए ब्रेक का नियम खत्म : सभापति

नई दिल्ली। संसद सत्र के दौरान राज्यसभा में हर शुक्रवार की नमाज के लिए मिलने वाले 30 मिनट ब्रेक के नियम को खत्म कर दिया गया है। यह व्यवस्था राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दी है। राज्यसभा में हर शुक्रवार को लंच ब्रेक 1 से 2:30 बजे तक होता था, जबकि लोकसभा में लंच ब्रेक 1 से 2: 00 बजे तक होता है। राज्यसभा में अतिरिक्त आधा घंटा नमाज के लिए दिया जाता था। दरअसल, 8 दिसंबर को डीएमके सांसदों ने राज्यसभा में मुस्लिम सांसदों के लिए जुमे की नमाज के ब्रेक का मुद्दा उठाया। इस पर सभापति धनखड़ ने बताया कि 60-70 साल से चले आ रहे नियम में बदलाव हो चुका है। लोकसभा की तरह ही अब राज्यसभा में नमाज के लिए ब्रेक नहीं दिया जाएगा।

कर्नाटक में गिर सकती है कांग्रेस की सरकार: एच.डी. कुमारस्वामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। जनता दल (सेक्युलर) के नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने दावा किया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस के एक 'प्रभावशाली मंत्री' केंद्र द्वारा उनके खिलाफ दर्ज 'मामलों' से बचना चाहते हैं, जिसके कारण वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो सकते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने दावा किया कि मंत्री '50 से 60 विधायकों' के साथ कांग्रेस पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो सकते हैं और वह वर्तमान में भाजपा के नेताओं के साथ ''बातचीत'' कर रहे हैं।

जद (एस) नेता ने संवाददाताओं से कहा, ''कांग्रेस सरकार में सब कुछ ठीक नहीं है। मुझे नहीं पता कि यह सरकार कब गिर जाएगी। एक प्रभावशाली मंत्री अपने खिलाफ दर्ज मामलों से बचने के लिये बेताब हैं।'' कुमारस्वामी ने कहा कि केंद्र ने उनके खिलाफ ऐसे मामले दर्ज किए हैं, जिनसे ''बच'' निकलने की कोई संभावना नहीं है। जब कुमारस्वामी से नेता का नाम पूछा गया तो उन्होंने कहा कि छोटे नेताओं से ऐसे ''निर्भीक'' कदम की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि केवल ''प्रभावशाली लोग'' ही ऐसा कर सकते हैं।

झारखंड के सीएम को ईडी ने भेजा समन

» धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए बुलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को समन जारी किया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि सोरेन को यहां संघीय एजेंसी के कार्यालय में मंगलवार को उपस्थित होने और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री को 12 दिसंबर को संघीय एजेंसी के सामने पेश होना है।

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा सोरेन को जारी किया गया यह छठा नोटिस है, लेकिन उन्होंने कभी गवाही नहीं दी क्योंकि उन्होंने ईडी की कार्रवाई से सुरक्षा की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी। ईडी का आरोप है कि झारखंड में माफिया द्वारा भूमि के मालिकाना हक को अवैध रूप से बदलने का एक बड़ा रैकेट चल रहा था। एजेंसी ने इस मामले में 14 लोगों को गिरफ्तार किया,जिसमें 2011 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी छवि रंजन भी शामिल हैं। रंजन पहले राज्य समाज कल्याण विभाग के निदेशक और रांची के उपायुक्त के रूप में कार्यरत थे। 48 वर्षीय झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता से ईडी ने पिछले साल नवंबर में राज्य में कथित अवैध खनन से जुड़े एक अन्य धन शोधन मामले में पूछताछ की थी।

आखिरी टी-20 में भारतीय महिलाओं का दिखा दम

» इंग्लैंड ने जीती सीरीज, श्रेयंका और मंधाना का दमदार प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। श्रेयंका पाटिल और सैका इशाक की शानदार गेंदबाजी के बाद स्मृति मंधाना के 48 रन की मदद से भारत ने आखिरी टी20 मैच में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराया। हालांकि, तीन मैचों की सीरीज में इंग्लैंड ने 2-1 से बाजी मारी। श्रेयंका को प्लेयर ऑफ द मैच तो नैट सीवर ब्रंट को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब मिला। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

कप्तान हैदर नाइट ने कप्तानी पारी खेलते हुए 52 रन बनाए। सैक इशाक ने नाइट को पवेलियन की राह दिखाई। विकेटकीपर बल्लेबाज एमी जोन्स ने 25 रन का योगदान दिया। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सका। श्रेयंका और इशाक ने उस दिन तीन-तीन विकेट लिए। अमनजोत कौर और रेणुका ठाकुर को दो-दो विकेट मिले। इंग्लैंड ने 20 ओवर में 126 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। पहले मैच में अर्धशतक बनाने वाली शेफाली वर्मा मात्र 6 रन ही बना सकीं। इसके बाद स्मृति मंधाना ने जेमिमा (29) के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। अच्छ लय में दिख रही जेमिमा रोड्रिग्स को चार्ली डीन ने पवेलियन भेजा। वहीं, मंधाना अपने अर्धशतक से मात्र 2 रन पीछे रह गई। वह 48 रन बनाकर सोफी एक्लेस्टोन का शिकार बनीं।

अमनजोत कौर ने लगाया विजयी चौका

अंत में अमनजोत कौर ने 4 गेंद पर 10 रन बनाकर भारत जीत दिला दी। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने नाबाद 6 रन बनाए। कैम्प और एक्लेस्टोन को दो-दो विकेट मिले। एक विकेट चार्ली डीन को मिला। भारत ने पांच विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाए। इंग्लैंड ने 2-1 से सीरीज अपने नाम की। भारत ने क्लीन स्वीप होने से खुद को बचाया।

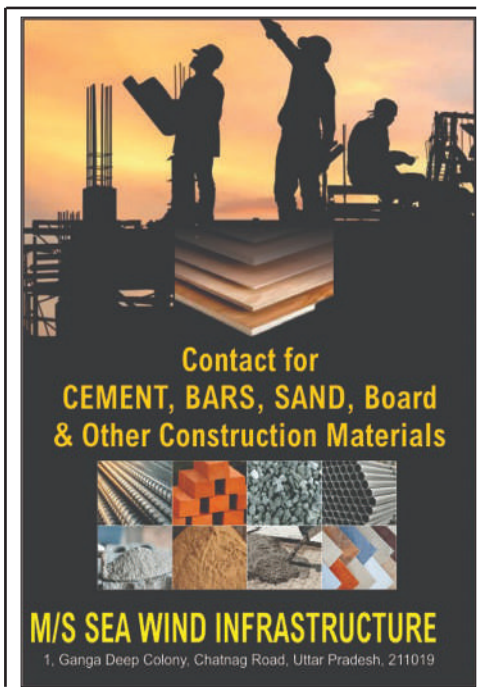

भाजपा ने छत्तीसगढ़ में सीएम किया तय राजस्थान व मध्यप्रदेश में फंसा पेंच

» भोपाल में बीजेपी के नेता एक दूसरे से मिले, जयपुर में राजे के समर्थकों का प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिर एक हफ्ते की माथापच्ची के बाद बीजेपी ने तीन राज्यों में से एक राज्य छत्तीसगढ़ के लिए विष्णु देव साय को सीएम के रूप में चुन लिया है जबकि दो अहम राज्यों मध्यप्रदेश व राजस्थान में अब बैठकों व नेताओं के एकदूसरे से मिलने का सिलसिला जारी है पर फैसला नही हो पा रहा है। मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को मतदान हुआ और तीन दिसंबर को विधानसभा चुनावों के नतीजे आए।

भाजपा ने 230 सीटों वाली विधानसभा में 163 सीटों के साथ बम्पर बहुमत हासिल किया है। कांग्रेस को 66 और अन्य को एक सीट से संतोष करना पड़ा। जयपुर में वसुंधरा राजे के समर्थक उनके समर्थन में प्रदर्शन कर रहे हैं। राजधानी भोपाल में आज विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। इससे पहले विधायकों के लिए गाइडलाइन जारी की गई है। उन्हें दोपहर एक बजे तक रजिस्ट्रेशन कराना होगा। पर्यवेक्षक विधायकों से वन-टू-वन करेंगे बात।

13 दिसंबर को विष्णुदेव साय लेंगे छत्तीसगढ़ सीएम पद की शपथ

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लग गई है। आदिवासी समाज के दिग्गज नेता विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के चौथे मुख्यमंत्री बने हैं। वह 13 दिसंबर को शपथ लेंगे। इनके नाम का प्रस्ताव डॉ. रमन सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और बृजमोहन अग्रवाल ने विधायक दल की बैठक में रखा। इस प्रस्ताव को विधायक दल ने स्वीकार किया। इसके बाद छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री के तौर पर विष्णुदेव साय के नाम की घोषणा की गई। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर भाजपा ने तीन पर्यवेक्षक बनाए। नियुक्त पर्यवेक्षक अर्जुन मुंडा, सर्वानंद सोनोवाल और दुष्यंत कुमार गौतम रायपुर पहुंचे। वे सीधे एयरपोर्ट से प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर के लिए रवाना हुए। छत्तीसगढ़ में नए मुख्यमंत्री बनने के बाद शपथ ग्रहण कार्यक्रम 13 दिसंबर को होगा। नए मुख्यमंत्री बने विष्णुदेव राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में शपथ ग्रहण करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, कई राज्य के मुख्यमंत्री समेत कई दिग्गज नेता शामिल हो सकते हैं।

सभी घोषणाएं तुरंत लागू होंगी : साय

नाम की घोषणा होने के बाद विष्णुदेव साय ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की और वहां सरकार बनाने का दावा पेश किया। इसके बाद राज्यपाल ने उन्हें कैबिनेट गठन के लिए आमंत्रित भी किया। मुख्यमंत्री बनते ही विष्णु देव साय ने कहा कि सबसे पहले मैं बीजेपी को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि मैं ईमानदारी के साथ सबके विश्वास पर खराब उतरने की कोशिश करूंगा और मोदी की गारंटी के तहत छत्तीसगढ़ की जनता से किए गए वादे पूरे किए जाएंगे। इस दौरान उन्होंने दो बड़ी घोषणाएं भी की है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले काम 18 लाख आवास देने का करूंगा इसके साथ ही 2 साल का बकाया बोनस 25 दिसंबर को दिया जाएगा।

राजस्थान में 12 दिसंबर को होगी विधायक दल की बैठक

जयपुर। भाजपा की विधायक दल की बैठक को लेकर असमंजस की स्थिति खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। मुख्य पर्यवेक्षक रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के आने को लेकर भी अब कयास लगने लगभग बंद हो चुके हैं। आठ दिसंबर को पर्यवेक्षकों के नाम की घोषणा के बाद शुरू हुए कयास आज चौथे दिन दम तोड़ने की स्थित में खड़े हैं। रक्षामंत्री के कार्यक्रम नहीं मिलने की स्थिति में यह उलझन बढ़ती जा रही है। सूत्रों के अनुसार, रक्षामंत्री लखनऊ में राष्ट्रपति के कार्यक्रम में मौजूद हैं। यह कायक्र म सोमवार को और मंगलवार को भी जारी रहेगा। इस परिस्थिति में राजनाथ सिंह का जयपुर आने का कार्यक्रम बनना मुमकिन नहीं दिखाई देते हैं। इस परिस्थिति में विधायक दल की बैठक मंगलवार को भी सम्भव हो पाएगी, ऐसा लगता नहीं है। कुछ विधायकों से भी बातचीत हुई है, जिससे ज्ञात हुआ कि अभी कोई सूचना उनके पास नहीं है। बस जयपुर के नजदीक रहने के संकेत दिए गए हैं। सीआर पाटिल के करीबी और गुजरात के मंत्री राघवजी पटेल के राजस्थान दौरे के पीछे अटकलें लगना शुरू। हालांकि, राघवजी पटेल वाइब्रेंट गुजरात कार्यक्रम के लिए जयपुर पहुंचे हैं। 12 दिसंबर को जयपुर के एक पांच सितारा होटल में यह कार्यक्रम होना है। मंत्री पटेल पाटिल के नजदीकी बताए जाते हैं। राजस्थान के हालात की जानकारी और राजस्थान के विधायकों की नब्ज टटोलने का काम कर सकते हैं। होटल में ही कुछ चुनिंदा विधायकों से मुलाकात हो सकती है।

मप्र में पर्यवेक्षक पहुंचे, सीएम के नाम की घोषणा आज

भोपाल। मध्यप्रदेश में आज शाम तक सीएम के नाम की घोषणा हो सकती है। केंद्रीय पर्यवेक्षक राजधानी भोपाल में है। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर, ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लक्ष्मण, राष्ट्रीय सचिव आशा लाकड़ा भोपाल पहुंच गए हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने विधायक दल की बैठक की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि शाम पांच बजे तक सब साफ हो जाएगा कि कौन मुख्यमंत्री बनेगा। चार बजे की बैठक की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं, पार्टी जिसे जो जिम्मेदारी देगी वह वो करेगा। तीनों ही विधायक दल के सदस्यों से बातचीत कर नेता का नाम चुनने की प्रक्रिया कराएंगे। यदि प्रदेश में शिवराज को बदलते हैं तो एक को मुख्यमंत्री बनाने के साथ ही बाकी को एडजस्ट करना होगा। इसको देखते हुए दो डिप्टी सीएम वाला फॉर्मूला प्रदेश में लागू किया जा सकता है। ऐसे में छह संभावनाएं बनती हैं। प्रहलाद पटेल को सीएम बनाने पर कैलाश विजयवर्गीय और गोपाल भार्गव को डिप्टी सीएम बनाया जा सकता है। नरेंद्र सिंह तोमर को विधानसभा स्पीकर बनाया जा सकता है। एसटी/एससी वर्ग से किसी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है। वीडी शर्मा और शिवराज सिंह चौहान को केंद्र में बड़ा रोल दिया जा सकता है। ज्योतिरादित्य सिंधिया केंद्र में ही रहेंगे। नरेंद्र सिंह तोमर को सीएम बनाने पर प्रहलाद पटेल और गोपाल भार्गव को डिप्टी सीएम बनाया जा सकता है। कैलाश विजयवर्गीय को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है। वीडी शर्मा और शिवराज सिंह चौहान को केंद्र में बड़ा रोल दिया जा सकता है। ज्योतिरादित्य सिंधिया केंद्र में ही रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की जयंती पर श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को उनकी जयंती पर सोमवार को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनके राजनीतिक कौशल तथा बौद्धिक गहराई ने देश की दिशा को आकार दिया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रणब मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उनके राजनीतिक कौशल और बौद्धिक गहराई ने हमारे राष्ट्र की दिशा को आकार दिया।'' उन्होंने कहा, ''उनकी अंतर्दृष्टि और उनका नेतृत्व अमूल्य था। व्यक्तिगत स्तर पर हमारी बातचीत हमेशा समृद्ध रही। उनका समर्पण और ज्ञान हमेशा प्रगति की दिशा में हमारी यात्रा में एक मार्गदर्शक शक्ति रहेगा। वर्ष 1935 में जन्मे मुखर्जी 2012 से 2017 तक देश के 13वें राष्ट्रपति रहे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे मुखर्जी का 31 अगस्त 2020 को निधन हो गया था। उन्होंने इंदिरा गांधी, पी वी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह जैसे प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया। पश्चिम बंगाल में जन्मे मुखर्जी को 'चलता फिरता इनसाइक्लोपीडिया' भी कहा जाता था और हर कोई उनकी याददाश्त क्षमता, तीक्ष्ण बुद्धि और मुद्दों की गहरी समझ का मुरीद था।

पहाड़ों पर बर्फबारी से उत्तर भारत में तापमान गिरा

नई दिल्ली। पहाड़ों में हुई बर्फबारी की वजह से मैदानी भागों में ठंड बढ़ गई है। कश्मीर हिमाचल प्रदेश व उतराखंड में मौसम में बदलाव की वजह से उत्तर भारत में सर्द हवाएं चलने लगीं। वहीं मौसम विज्ञान कार्यालय ने बताया कि 16 दिसंबर तक सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे लेकिन मौसम मुख्यत : शुष्क रहेगा। उसने रात के तापमान में कुछ डिग्री सेल्सियस की गिरावट का अनुमान जताया है। कश्मीर में शीतलहर जैसी स्थिति जारी रहने के बीच श्रीनगर में रविवार को इस मौसम की सबसे सर्द रात रही और घाटी के कई हिस्सों में पारा शून्य से कई डिग्री नीचे गिर गया। उन्होंने बताया कि बीती रात शहर में मौसम की अब तक की सबसे सर्द रात थी। कश्मीर में श्रीनगर सबसे ठंडा स्थान भी रहा।

कार में जिंदा जले आठ बराती

बरेली। बरेली में तेज रफ्तार में जा रही कार अचानक टायर फटने से बेकाबू हो गई। डिवाइडर को पार कर हाईवे के दूसरी ओर डंपर से टकरा गई। इससे कार में आग लग गई और डंपर का डीजल टैंक फटने से यह आग और भड़क गई। हादसे के बाद कार के दरवाजे लॉक होने से उसमें सवार लोग बाहर नहीं निकल सके। कार के अंदर ही वह जिंदा जल गए। आरटीओ प्रवर्तन दिनेश कुमार और एआरटीओ प्रवर्तन जेपी गुप्ता की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की। प्रारंभिक जांच में इन तथ्यों की पुष्टि हुई है। टीम ने आसपास के लोगों से बात की और दोनों वाहनों का तकनीकी मुआयना किया। जांच रिपोर्ट परिवहन आयुक्त को भेज दी गई है। जांच में यह भी पाया गया है कि चालक तेज रफ्तार और लापरवाही से कार चला रहा था। कार पेट्रोल और सीएनजी में पास थी। गांव दमौरा खंजनपुर के पास जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां आसपास कोई ब्लैक स्पॉट नहीं है। नेशनल हाईवे पर यहां औसत रफ्तार 80 किमी प्रति घंटा की है। कोई घुमाव भी नहीं है। जांच में पाया गया है कि हादसे के दौरान कार की गति औसत गति से ज्यादा थी। ऐसे में हादसे की वीभत्सता और बढ़ गई।

फोटो: सुमित कुमार

ज्ञापन कल्याण सिंह कैंसर अति विशिष्ट संस्थान के आउट सोर्सिंग कर्मचारी अपनी सैलरी की बढ़ोत्तरी से संबंधित ज्ञापन संस्थान के अधिकारियों को सौंपते हुए।

लव जिहाद को लेकर महाराष्ट्र में घमासान

सपा विधायक की मांग- लव जिहाद पर कमेटी खत्म हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने मांग की है कि लव जिहाद मामले की शिकायत को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गठित अंतरधार्मिक विवाह-परिवार समन्वय समिति को रद्द किया जाना चाहिए। विधायक शेख ने ऐसा पत्र उपमुख्यमंत्री अजित पवार और संबंधित विभाग की मंत्री अदिति तटकरे को दिया। इससे पहले आरटीआई से पता चला है कि समिति को अब तक केवल 402 शिकायतें ही मिली हैं। राज्य में लव जिहाद के एक लाख से ज्यादा मामले हैं।

पत्र में कहा गया है कि सरकारी एवं गैर सरकारी सदस्यों की अंतरधार्मिक विवाह एवं परिवार समन्वय समिति (राज्य स्तरीय) महिला एवं बाल विकास की अध्यक्षता में नियुक्त की गई है। आपका सदैव यह रुख रहा है कि अन्याय मुस्लिम और अल्पसंख्यक समुदायों के साथ ऐसा नहीं किया जाएगा।

बलिया में एक ही परिवार के चार शव मिलने से सनसनी

» पत्नी व दो बच्चों की हत्या कर फंदे पर झूला शख्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलिया। बांसडीह कोतवाली के देवड़ीह गांव में सनकी व्यक्ति ने पत्नी व दो बच्चे की धारेधार हथियार से हत्या कर खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। उसका शव बगीचे में फंदे पर लटका मिला। इसकी खबर लगते ही क्षेत्र में खलबली मच गई। मौके पर एसपी एस आनन्द, एएसपी डीपी तिवारी व क्षेत्राधिकारी एसएन वैश्य व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच घटना की जानकारी कर शव को पोस्मार्टम को भेजवाया।

देवडीह निवासी श्रवण राम (35) का पत्नी शशिकला देवी (35) के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। उसी दौरान श्रवण राम धारेधार हथियार से पत्नी व दो पुत्र सूर्या राव सात वर्ष व दूसरा मिठू चार माह की निर्मम तरीके से हत्या कर शव को बगीचे में फेंक वहीं पास के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल पर मृतक श्रवण की जेब से पुलिस को सुसाइड नोट मिला जिसमें उसके द्वारा इस पूरी घटना की जिम्मेदारी ली है। एसपी एस आनंद ने बताया कि शशिकला के भाई की सूचना पर मौके पर पहुंची पीआरबी के काफी खोजबीन के बाद पत्नी व दो बच्चे का शव बगीचे में मिला, किसी धारेधार हथियार से हत्या की गई है, बगल के पेड़ पर फंदे पर मृतक श्रवण राम का शव मिला। उसके पॉकेट से मिले सुसाइट नोट में खुद हत्या की बात स्वीकारी है। पोस्मार्टम के लिए शव को भेजा गया है।

आपसी सुलहनामा से रहते थे साथ

श्रवण राम व शशिकला के बीच आपसी विवाद न्यायालय में मुकदमा चला था। डेढ़ वर्ष पूर्व आपसी सुलहनामा से शशिकला पुनः ससुराल आकर परिवार जनों से अलग पति व बेटो के साथ रह रही थी। उसके बाद भी इन दोनों में विवाद होता रहता था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।